



# चतुर-श्लोकी भगवता



अहम् एवसम् एवाग्रे  
नान्यद् यात साद-असत् परम्  
पसाद अहम् याद एटक का  
यो 'वसिस्येता सो' समय अहम् ।  
aham evasam evagre  
nanyad yat sad-asat param  
pascad aham yad etac ca  
yo 'vasisyeta so' smy aham

रते 'रथम् यात प्रतियेता  
न प्रतियेता चात्मनि  
ताड विद्याद् आत्मनो मयम्  
यथाभासो यथा तमाह ।  
rte 'rtham yat pratiyeta  
na pratiyeta catmani  
tad vidyad atmano mayam  
yathabhaso yatha tamah

यथा महंती भूतानि  
भुटिकवससव अनु  
प्रविस्तानी अप्रविस्तानी  
तथा टेसू न तस्व अहम् ।  
yatha mahanti bhutani  
bhutesuccavacesv anu  
pravistany apravistani  
tatha tesu na tesv aham

एतवाद ईवा जिज्ञास्यं  
तत्त्व जिज्ञासुनात्मनः  
अन्वय-व्यतिरेकाभ्याम्  
यात स्यात सर्वत्र सर्वदा ।  
etavad eva jijnasyam  
tattva jijnasunatmanah  
anvaya-vyatirekabhyam  
yat syat sarvatra sarvada